

# સત્સંગ શિક્ષણ પરીક્ષા

બોચાસણવાસી શ્રી અક્ષરપુરુષોત્તમ સ્વામિનારાયણ સંસ્થા, શાહીબાગ, અમદાવાદ - 380 004.

## સત્સંગ પ્રવેશ - ૧ SATSANG PRAVESH - 1

રવિવાર, 18 જુલાઈ, 2004

સમય : સવારે 9 થી 11:15

કુલ ગુણ :- 75

વર્ગખંડમાં હાજર રહેલ પરીક્ષાર્થીએ જાતે જ પોતાની વિગત દર્શાવતું સ્ટીકર લગાવવું. સ્ટીકર વગરની જવાબવહી માન્ય ગણાશે નહીં.

(The examinee should personally apply the sticker bearing his/her details. Answer book without sticker will be invalid.)

આ ચોરસમાં  
સ્ટીકર લગાવવું.  
(Apply  
Sticker Here)

ગેરહાજર પરીક્ષાર્થીની જવાબવહી ઉપર સ્ટીકર લગાવવાનું નથી.  
(Do not apply sticker of absent examinees.)

પરીક્ષાર્થીએ જાતે ભરવાની વિગત (To Be Filled by Examinee)

Examinee's Seat No. (In Numerics)

(પરીક્ષાર્થીનો બેઠક ક્રમાંક (આંકમાં))

|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|

AGE OF EXAMINEE (ઉંમર).....

EDUCATION OF EXAMINEE (અભ્યાસ) .....

પરીક્ષાર્થીએ લગાડેલ સ્ટીકર તથા ઉપરની વિગતોની સત્યતાની ચકાસણી કર્યા પછી જ વર્ગસુપરવાદ્યરને સહી કરવી.

(Exam Supervisor should only sign after checking the sticker and the written details above.)

વર્ગસુપરવાદ્યરની સહી

(Signature of Exam Supervisor) .....

| મોડરેશન<br>કાર્યાલય<br>માટે જ | પ્રશ્ન<br>નંબર | મેળવેલ<br>ગુણ |
|-------------------------------|----------------|---------------|
|                               | 1              |               |
|                               | 2              |               |
|                               | 3              |               |
|                               | 4              |               |
|                               | 5              |               |
|                               | 6              |               |
|                               | 7              |               |
|                               | 8              |               |
|                               | 9              |               |
|                               | 10             |               |
|                               | 11             |               |
|                               | 12             |               |
|                               | 13             |               |
|                               | કુલ<br>ગુણ     |               |

પાછળ લખેલી સૂચનાઓનું અવશ્ય પાલન કરવું.

(Please follow the instructions written on  
the back side.)

પેપર તપાસનાર (પરીક્ષક) ની સહી

.....

## ( विभाग- १ : नीलकंठ चरित्र )

प्र.१ निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहता है यह लिखिए। [ ६ ]

१. "मेरा नैष्टिक ब्रह्मचर्य अखंड रहे ।"

कौन कहता है ? ..... किसे कहता है ?.....

कब ? .....

२. "ब्राह्मण के शाप से मेरी यह गति हुई है ।"

कौन कहता है ? ..... किसे कहता है ?.....

कब ? .....

३. "शास्त्रों में त्यागी को स्त्री द्रव्य का त्याग करने को कहा है, यह कैसे समझा जाए ?"

कौन कहता है ? ..... किसे कहता है ?.....

कब ? .....

प्र.२ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण दीजिए। ( दो से तीन पंक्तियों में ) [ ६ ]

१. बीजल कोली नीलकंठवर्णी के पैर में गिर गया ।

.....

.....

.....

२. श्रीपुर के महंत नीलकंठ को मठ की महंताई देने के लिए तैयार हुए ।

.....

.....

.....

३. नीलकंठ को देखकर भालू रो पड़ा ।

.....

.....

.....

प्र. ३ निम्न में से किन्हीं एक प्रसंग पर पंद्रह पंक्ति में संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। ( वर्णनात्मक ) [ ५ ]

१. चमत्कारों की परंपरा ।

२. काठमांडू में राजा को आशीर्वाद ।

३. कृतधनी सेवकराम ।

प्रसंग :

.....

.....

.....



प्र. ५ निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्पों के क्रमांक लिखें ।

[ ६ ]

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा ( दो और तीन भी ) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएँगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. ईला-सुशीला किस राजा की राजकुमारियाँ थीं ?

(अ) वांसदा

(ब) वंशीपुर

(क) श्रीपुर

(ड) काठमांडू

जवाब :

२. पिबैक द्वारा किए गए धुएँ के गोलों में से क्या निकला ?

(अ) कालीय

(ब) कालभैरव

(क) कौशिक

(ड) बटुकवीर

जवाब :

३. नरसिंह मेहता ने नीलकंठ को क्या खिलाया ?

(अ) दूध

(ब) सत्

(क) चावल

(ड) ज्वार का धान

जवाब :

प्र. ६ निम्न विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

[ ४ ]

१. नीलकंठ के संकल्प से ..... शहर जलने लगा ।

२. रामानंद स्वामी का जन्म संवत् १७९५ के ..... के दिन हुआ था ।

३. लोज में नीलकंठ का नाम मुक्तानंद स्वामी ने ..... रखा ।

४. नीलकंठ ने ..... के पास एक साल में योग-विद्या सिद्ध कर ली ।

( विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग-१ )

प्र. ७ निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहता है यह लिखिए ।

[ ६ ]

१. “वरना इस तलवार से तुम्हारे टुकड़े कर दिए जायेंगे ।”

कौन कहता है ? ..... किसे कहता है ? .....

कब ? .....

२. “तुम पर भगवान और साधु-संतों की अखंड कृपादृष्टि बनी रहेगी ।”

कौन कहता है ? ..... किसे कहता है ? .....

कब ? .....

३. “ये बल्लियाँ निकल सकती है क्या ? ये खपचियाँ निकल सकती है क्या ?”

कौन कहता है ? ..... किसे कहता है ? .....

कब ? .....

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण दीजिए। ( दो से तीन पंक्तियों में )

[ ४ ]

१. शुकमुनि ने सुखडी खाकर पारणा किया ।

.....

.....

.....

२. जोबनपगी को देखकर कशियाभाई को आश्चर्य हुआ ।

.....

.....

.....

प्र. ९ निम्नलिखित वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्य को ढूँढ़कर सिर्फ उसके नंबर लिखें।

[ ५ ]

प्रसंग :- ब्रह्मानंद स्वामी ।

१. लाडुदानजी के माता लालुबा और पिता शंभुदानजी थे ।
२. ब्राह्मण के भाल में तिलक-कुमकुम देखकर लाडुदान को आश्चर्य हुआ ।
३. गढ़डा जाते हुए मन में पाँच संकल्प किए ।
४. महाराज के प्रथम दर्शन होते ही कीर्तन की रचना की, "राज मारे दिन दिन दिवाली ।"
५. महाराज ने दीक्षा देकर श्रीरंगदास नाम दिया ।
६. परिवार के लोग उन्हें वापस ले जाने के लिए गढ़पुर आए ।
७. काशी में मुनिबावा के पास विद्याभ्यास करके संस्कृत में पारंगत बने ।
८. मांडवी में महाराज ने उन्हें अपनी गद्दी पर बैठाया ।
९. अहमदाबाद में जनरल डनलोप साहब से मिलकर भूमिदान के लिए यावच्चन्द्रदिवाकरौ लेख करवाया ।
१०. वडताल में एक शिखर के मन्दिर का प्रारंभ किया ।
११. महाराज उन्हें यति कहते थे ।

केवल नंबर :-

प्र. १० निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए ।

[ ४ ]

१. जोबनपगी के किन्हीं दो भाइयों के नाम लिखिए ।

.....

२. जीवुबा ने अपनी सास राईबाई को क्या बिनती की ?

.....

३. जेठा भगत ने किन किन मंदिरों में कोठारी के रूप में सेवा की ? (किन्हीं दो मंदिर के नाम लिखिए ।)

.....

४. डभाण के कौन तीनों महाराज के बहुत उपयोग में आए ?

.....

प्र. ११ निम्न में से किन्हीं एक प्रसंग पर पंद्रह पंक्ति में संक्षिप्त टिप्पणी लिखें । ( वर्णनात्मक )

[ ५ ]

१. देवानंद स्वामी की संगीतकला ।

२. झीणाभाई की हरिभक्त के साथ आत्मीयता ।

३. विषम परिस्थिति में आशाभाई की सेवा ।

प्रसंग :

.....

.....









